No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-17

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

0297

दिसम्बर, 2016

एम.एच.डी.-17 : भारत की चिंतन-परंपराएँ और दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *निम्नलिखित **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. बौद्ध दर्शन के विकास में आर्य असंग की भूमिका रेखांकित कीजिए । *10*

अथवा

धर्मकीर्ति द्वारा प्रतिपादित दार्शनिक सिद्धांतों की विवेचना कीजिए ।

2. भारतीय दर्शन-परंपरा में चार्वाक मत का महत्त्व बताइए । *10*

अथवा

मिलिन्द-प्रश्न में शामिल संवादों की व्याख्या कीजिए ।

3. सिद्ध संप्रदाय के संदर्भ में 'अवजातिकरण' की अवधारणा स्पष्ट कीजिए । *10*

अथवा

वीर शैव पंथ में व्यक्त सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए ।

4. तेलुगु संत कवि वेमना की मानवतावादी विचारधारा का परिचय दीजिए । *10*

अथवा

कबीर की सामाजिक चेतना का विश्लेषण कीजिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) मछेन्द्रनाथ

(ख) नागार्जुन

(ग) नागसेन

(घ) अक्कमहादेवी